आओ स्वाध्याय करें प्रतियोगिता -1

प्र	मा	ण	मी	मां	सा	य	ट	ना	ध	रा	ला	मू
मे	ण	त्ति	लो	य	प	ण्ण	त्ति	त	थ	ऐ	ण	ला
य	प	श	फ	द्म	ब	र	ध	ठ	पं	आ	य	चा
र	प्र	ण	पु	भ	म	द	मा	चा	रि	त्र	सा	र
त्न	मा	रा	रू	हा	स	अं	स्ति	त्म	ह	स	र	चा
मा	ण	पु	दे	ध	म	का	र	क्ष	प्र	त्र	म्म	का
ला	प	श	व	नि	य	म	सा	र	मे	का	ध	व
व	री	वं	च	सं	सा	ड	या	य	य	क	श	श्रा
ध	क्षा	रि	म्पू	ख	र	ग	क्रि	ण	क	र्म	का	ण्ड
गं	ध	ह	स्ति	म	हा	भा	ष्य	सा	म	का	चि	र
इ	ष्टो	प	दे	श	ब्दा	व	ता	र	ल	ण्ड	द्वि	क
वृ	न्दा	व	न	वि	ला	स	ना	म	मा	ला	ला	त्न
प	र	मा	ध्या	त्म	त	रं	गि	नी	र्त	क	स	र
पु	रू	षा	र्थ	सि	द्धि	उ	पा	य	ण्ड	का	र्ध	अ

नियम :- 1. आपको इसमें 30 ग्रंथों के नाम ढूंढने हैं। उन पर [ ] इसप्रकार बॉक्स का चिह्न बनाना है। ढूंढे हुए नामों को नीचे लिखना है।

1. प्रमाण मीमांसा
2. गंधहस्ति महाभाष्य
3. नियमसार
4. चिद्विलास
5. प्रमेयरत्नमाला
6. शब्दावतार
7. क्रियासार
8. धम्मरसायण
9. धवला
10. वृन्दावनविलास
11. नाममाला
12. चारित्रसार
13. प्रमाणपरीक्षा
14. तिलोयपण्णत्ति
15. प्रमेयकमलमार्तण्ड
16. परमात्मप्रकाश
17. परमाध्यात्मतरंगिनी
18. पद्मपुराण
19. मूलाराधना
20. रयणसार
21. पुरुषार्थसिद्धिउपाय
22. पुरुदेवचम्पू
23. मूलाचार
24. महापुराण
25. समयसार
26. हरिवंशपुराण
27. पंचास्तिकाय
28. कर्मकाण्ड
29. अर्द्धकाण्ड
30. रत्नकरण्डश्रावकाचार

Scanned by CamScanner

मोबाईल नम्बर प्रतियोगिता-२

उदाहरण -

1. 46 8 36 25 28 - पाँच परमेष्ठी के मूल गुण।

इसी तरह नीचे दिये गये सभी मोबाईल नम्बरों को ढूँढना है -

1. 119111215 ....णमोकार मंत्र की 58 मात्रायें........
2. 6131168421 ....123 जीव जो भरत से विदेह में जायेंगे........
3. 1128558005 ....जिनवाणी (श्रुतज्ञान) के मध्यम पद........
4. 2918213 ....पंच भाव के भेद........
5. 1111079195 ....ग्रैवेयक से ऊपर के अकृत्रिम चैत्यालय........
6. 1416221929 ....केवली के बाद होने वाले 5 श्रुतकेवली का काल
7. 10101484 ....अरहंतो के गुण........
8. 131197531 ....सात नरक पटल क्रम से........
9. 9255327948 ....अकृत्रिम चैत्यालयों के चैत्य की संख्या........
10. 171517151515 ....छहढाला के आधारानुसार छंद संख्या........
11. 181173862 ....ऋद्धि की प्रभेद संख्या........
12. 108846732 ....4 प्रकार के मिथ्यादृष्टियों के भेद संख्या........
13. 5922849325 ....आठ कर्म प्रकृति के प्रभेद........
14. 8497023 ....ऊर्ध्वलोक के विमानों की संख्या........
15. 13710172233 ....सातों नरकों की उत्कृष्टायु प्रमाण........

Scanned by CamScanner

संकेताक्षर प्रतियोगिता -3

उदाहरण :- ध – (क्ष) (मा) (आ) (शौ) (स) (सं) (त) (त्या) (आ) (ब्र)

धर्म – क्षमा मार्दव आर्जव शौच सत्य संयम तप त्याग आकिंचन ब्रह्मचर्य

(1) क – (पा) (तु) (भू) (व) (भो) (आ) (दी) (भा) (गा)

कल्पवृक्ष ....

(2) ल – (अ) (अ) (अ)

लहानाभास ....

(3) श्रु. के. – (वि) (न) (अ) (गो) (भ)

श्रुतकेवली ....

(4) प – (अ) (व्यं)

पर्याय ....

(5) र – (न) (मी) (घी) (दू) (द) (ते)

रत्न ....

(6) अ – (अ) (अं) (व) (वै) (सो) (अं) (सौ) (स्फ) (अ)

अनुदिश ....

(7) स – (क) (वे) (मा) (आ) (तै) (के) (वै)

समुद्घात ....

(8) प्रा – (सिं) (अ) (पु) (भा) (दि) (दे) (छ)

प्रातिहार्य ....

(9) अ – (प्रा) (प्र) (अ) (अ)

अभाव ....

(10) ऋ – (श्री) (सु) (नि) (स) (ज) (वि) (ज)

ऋद्धि ....

नोट :– प्रथम अक्षर दिये गये हैं उसी के आधार से आपको उत्तर इसमें ही लिखने हैं।
जगह की कमी होने पर अतिरिक्त उत्तर इसी के पीछे लिखें।

Scanned by CamScanner

वे कौन थे? प्रतियोगिता -४

नोट : सभी उत्तर अनिवार्य है।

१. वे कौन थे जिन पर व्यन्तर देव कृत उपसर्ग को जितकर मोक्ष को प्राप्त किया? श्रीदत्त मुनि

२. वे कौन थे जिन्होंने स्यालनीकृत उपसर्ग सहनकर मोक्ष को प्राप्त किया? सुकुमाल मुनि

३. वे कौन थे जिनके सिर पर जलती हुई सिगड़ी रखी थी? गजकुमार मुनि

४. वे कौन थे जिन पर वैरी व्यन्तरदेव कृत उपसर्ग सहकर सर्वार्थसिद्धि में देव हुये? चिलाती पुत्र मुनि

५. वे कौन थे जिन्हें देवों ने मनुष्य का रूप धारणकर मायावी वन में आहार कराया था? चन्द्रगुप्त मुनि

६. वे कौन थे जिनके पूर्ण शरीर को वैरी चण्ड ने छेद दिया था? अभयघोष मुनि

७. वे कौन थे जो जल का उपसर्ग सहन कर मोक्ष गये? श्री पालिक मुनि

८. वे कौन थे जिन्हें ७०० वर्ष तक कुष्ठरोग हो गया था? सनतकुमार मुनि

९. वे कौन थे जिन्होंने चक्रराज कृत उपसर्ग जितकर केवलज्ञानोत्पत्ति की? श्री धन्यमुनि

१०. वे कौन थे जिन्होंने शादी के दूसरे ही दिन दीक्षा लेकर मुनि हुये और मोक्ष प्राप्त किया? जम्बूस्वामी

११. वे कौन थे जिन्होंने कपिल ब्राह्मण कृत उपसर्ग को सहनकर मोक्ष को प्राप्त किया? गुरुदत्त मुनि

१२. वे कौन थे जिन्हें हाथी पर बैठे-बैठे वैराग्य हुआ था? राजा मधु

१३. वे कौन थे जिनने बाघिन कृत उपसर्ग को जितकर सर्वार्थसिद्धि प्राप्त की? सुकौशल मुनि

१४. वे कौन थे जिन्होंने मरणासन्न बैल को नमोकार मंत्र सुनाया और जिसके प्रभाव से वे कुछ भव पश्चात् राम सुग्रीव बन मोक्ष गये? पद्मरुचि सेठ

१५. वे कौन थे जिन्होंने कैलाश पर्वत को अपने बल ऋद्धि से दबाया था? बाली मुनिराज

Scanned by CamScanner

सुडोकु प्रतियोगिता -5

वीर्यत्व	अव्याबाधत्व	अवगाहनत्व	ज्ञान	सम्यक्त्व	सूक्ष्मत्व	दर्शन	अगुरुलघुत्व
दर्शन	अगुरुलघुत्व	सूक्ष्मत्व	सम्यक्त्व	अवगाहनत्व	ज्ञान	वीर्यत्व	अव्याबाधत्व
अव्याबाधत्व	दर्शन	ज्ञान	अवगाहनत्व	सूक्ष्मत्व	सम्यक्त्व	अगुरुलघुत्व	वीर्यत्व
अगुरुलघुत्व	वीर्यत्व	सम्यक्त्व	सूक्ष्मत्व	अव्याबाधत्व	अवगाहनत्व	ज्ञान	दर्शन
अवगाहनत्व	ज्ञान	अव्याबाधत्व	अगुरुलघुत्व	दर्शन	वीर्यत्व	सूक्ष्मत्व	सम्यक्त्व
सूक्ष्मत्व	सम्यक्त्व	वीर्यत्व	दर्शन	अगुरुलघुत्व	अव्याबाधत्व	अवगाहनत्व	ज्ञान
सम्यक्त्व	सूक्ष्मत्व	अगुरुलघुत्व	वीर्यत्व	ज्ञान	दर्शन	अव्याबाधत्व	अवगाहनत्व
ज्ञान	अवगाहनत्व	दर्शन	अव्याबाधत्व	वीर्यत्व	अगुरुलघुत्व	सम्यक्त्व	सूक्ष्मत्व

नियम :- इसमें सिद्धों के आठ गुण लिखे हैं।

- 8 X 8 के बॉक्स बने हुए हैं, उसमें आठों नाम एक ही बार आना चाहिये, पुनः आवृत्ति नहीं होनी चाहिये।
- तथा खड़ी और आड़ी पंक्ति में किसी भी गुण का नाम पुनः नहीं आना चाहिये।
- आधा भरा हुआ मान्य नहीं होगा।

Scanned by CamScanner

अक्षर अन्ताक्षरी? प्रतियोगिता -६

नोट : प्रश्न के आनेवाले उत्तर के अंत्यक्षर से ही अगले प्रश्न का उत्तर होना चाहिए।

१. एक कुलकर का नाम जो कि तीर्थंकर के १००८ नामों में हों ..... क्षेमंकर .....

२. एक शिला का नाम जिस पर जन्माभिषेक होता है? ..... रक्ता कम्बला .....

३. एक आचरणपरक ग्रन्थ का नाम? ..... लाटीसंहिता .....

४. एक प्रतिनारायण का नाम एवं पिशाच जातीय व्यंतर देवों का भेद ..... तारक .....

५. एक मरण का प्रकार? ..... कदलीघात .....

६. तत्त्वार्थसूत्र की एक टीका ..... तत्त्वार्थसार .....

७. पंच अणुव्रतों में से एक अतिचार का नाम ..... स्थूलव्याख्यान .....

८. एक कषाय का नाम ..... नपुंसकवेद .....

९. एक तप का प्रभेद ..... दर्शनविनय .....

१०. एक ग्रन्थकार एवं चूर्णिसूत्रकार का नाम ..... यतिवृषभ .....

११. एक अकृत्रिम वन का नाम ..... भद्रशालवन .....

१२. सुन्दर आध्यात्मिक अनेक हिन्दी पदों के रचयिता कवि ..... नयनसुखदास .....

१३. कवि पण्डित विक्रमजीत द्वारा रचित एक ग्रंथ ..... समयसार नाटक .....

१४. प्रवचनसार के अनुसार मोह का ही चिह्न है ऐसा भाव ..... करुणाभाव .....

१५. जिन पर्वतों पर अकृत्रिम चैत्यालय होते हैं उस पर्वत का नाम ..... वक्षारगिरि .....

Scanned by CamScanner